Times of India, Bhopal

02.12.2022

TIMES CITY

Pg-02 THE TIMES OF INDIA, BHOPAL | FRIDAY, DECEMBER 2, 2022

Metro work on fast track, site engineers to work on all 7 days

Bhopal: In a bid to fast track development of Bhopal, site engineers will work for all seven days a week and others will have to cope with a 6-day working schedule. Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) managing director Manish Singh issued an order in a meeting on Thursday. The order will be in force till the start of Bhopal metro's priority corridor, scheduled for September 2023.

All the officers and employees in the office and site office located in Bhopal and Indore have been instructed to work for 6 days a week and the site engineer to work for 7 days. Earlier work was being done for 5 days, according to a press release.

Singh also acted on a show cause notice to an AGM civil for lack of sufficient information on work. A reply has to be submitted within three days and Singh also directed to withhold one month's salary of the officer, according to a press release. Singh described quality and safety as paramount in metro rail construction work and instructed not to compromise on them under any circumstances. Bhopal priority corridor is about 4 km. However, the main issue is development of a metro rail depot which is underway. TNN

Raj Express
Bhopal
02.12.2022

मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए सप्ताह में 6 दिन खुलेगा ऑफिस, 7 दिन होगा काम

प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए एमडी ने ली बैठक

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

मेट्रो प्रोजेक्ट को डेडलाईन में पूरा करने के लिए 6 दिन ऑफिस खुले रहेंगे। वहीं साईट पर पूरे सप्ताह 7 दिन काम होगा। यह निर्देश मेट्रो प्रोजेक्ट के एमडी मनीष सिंह ने दिए। गुरुवार को मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के लिए भोपाल प्रायोरिटी कॉरिडोर को लेकर एमडी श्री सिंह ने कॉरपोरेशन के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जनरल कंसलटेंट सहित कॉन्ट्रैक्टर्स भी शामिल हुए। श्री सिंह ने कहा कि प्रायोरिटी कॉरिडोर के अंतर्गत मेट्रो रेल का ट्रायल रन 2023 के सितंबर में हर हाल में करना है। एमडी श्री सिंह ने मेट्रो के सभी अधिकारियों सहित जनरल कंसलटेंट और कॉन्ट्रैक्टर्स से कहा कि प्रायोरिटी कॉरिडोर को समय पर पूरा करना है। इसलिए भोपाल और इंदौर के दफ्तर सहित साइट ऑफिस में सभी अधिकारी व कर्मचारियों को सप्ताह में सातों दिन काम करना होगा। कॉन्ट्रैक्टर्स से कहा कि लेबर की संख्या बढ़ाएं, ताकि प्रायोरिटी कॉरिडोर अपने तय समय पर पूरा किया जा सके।

अधूरी जानकारी पर कारण बताओ नोटिस जारी

मेट्रो प्रोजेक्ट की रिव्यू मीटिंग में एजीएम सिविल से संबंधित जानकारी अधूरी देने पर एमडी मनीष सिंह ने कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। दरअसल अब तक की प्रोग्रेस रिपोर्ट सिविल नहीं दे सका। इस पर तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा है। वहीं एक माह का वेतन भी रोकने के निर्देश दिए। जबकि जनरल कंसलटेंट के रेसिडेण्ट इंजीनियर गजपाल सिंह सोलंकी के प्रजेंटेशन पर उन्हें प्रशस्ति पत्र देने के लिए कहा। मेट्रो प्रोजेक्ट की बैठक में निदेशक परियोजना अजय शर्मा, महाप्रबंधक जनरल कंसलटेंट वाईसी शर्मा सहित मेट्रो के अधिकारी और कॉनट्रैक्टर्स के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

Hari Bhoomi
Bhopal
02.12.2022

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
Pg-II भोपाल, शुक्रवार 2 दिसंबर 2022

23 सितंबर 2023 को सुभाष नगर से एम्स तक ट्रायल के रूप में चलने लगेगी मेट्रो

मेट्रो निर्माण की गति बढ़ाने कंपनी ने 5-डे वीक खत्म किया, सातों दिन चलेगा काम

- दफ्तरों में स्टाफ को 6 दिन काम करना होगा
- मेट्रो स्टेशन निर्माण को लेकर लिए गए निर्णय

एक अफसर को कारण बताओ नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭भोपाल

एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो रेल के प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम सितंबर 2023 से पहले पूर्ण करने के लिए गुरुवार को मप्र मेट्रो के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने समीक्षा बैठक ली।

बैठक में सिंह ने कहा कि मेट्रो निर्माण कार्य की गति हर हाल में बढ़ाई जाए और फील्ड पर इंजीनियर सातों दिन काम करेंगे, जबकि दफ्तर 6 दिन खुले रहेंगे। 5-डे वीक खत्म कर दिया गया है। इसमें लापरवाही नहीं बरती जाना चाहिए। साथ ही निर्देश दिए कि भोपाल स्थित दफ्तर व साइट ऑफिस में सभी अधिकारी व कर्मचारियों को सप्ताह में 6 दिन काम करने एवं साइट इंजीनियर को 7 दिन काम करना होगा। पूर्व में 5 दिन कार्य किया जा रहा था।

जानकारी नहीं देने पर एक माह का वेतन रोका

एजीएम सिविल से कार्य संबंधी जानकारी मांगे जाने पर पर्याप्त जानकारी का अभाव होने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब देने के सख्त निर्देश दिए तथा उनका 1 माह का वेतन भी रोकने के निर्देश दिए।

श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाएगी

इस आशय के साथ एमडी ने मेट्रो के सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं जनरल कंसलटेंट तथा कॉन्ट्रेक्टर्स को आदेश दिए कि प्रायोरिटी कॉरिडोर को समय पर पूर्ण करने के लिए कॉन्ट्रेक्टर्स को आदेश दिया कि श्रमिकों की संख्या बढ़ाएं, जिससे प्रायोरिटी कॉरिडोर के निर्माणाधीन कार्यों को द्रुत गति मिले और समय से कार्य पूर्ण हों। मेट्रो एमडी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर मेट्रो प्रोजेक्ट में आ रही समस्याओं का समाधान निकालने की बात कही। सिंह ने मेट्रो निर्माण कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा को सर्वोपरि बताया और किसी भी सूरत में इनसे समझौता नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

सीएम ने दिए हैं निर्माण पूर्ण करने के निर्देश

गुरूवार को मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध संचालक ने भोपाल प्रायोरिटी कॉरिडोर को लेकर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के वरिष्ठ अधिकारियों, जनरल कंसलटेंट तथा कॉन्ट्रेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक की। सिंह ने इस बात से सबको पुनः अवगत कराया कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रायोरिटी कॉरिडोर के अंतर्गत मेट्रो रेल अगले साल सितम्बर में ट्रायल रन के अहम दिशा -निर्देश दिए हैं, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात काम कर पूर्ण करने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं, इसलिए मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी द्वारा गुरुवार की विशेष समीक्षा बैठक प्रोजेक्ट के निर्माणाधीन कार्य को त्वरित गति प्रदान करने के उद्देश्य पर आधारित थी।

कारण बताओ नोटिस किया जारी

इसी के सम्बन्ध में सिंह द्वारा एजीएम सिविल से कार्य सम्बन्धी जानकारी मांगे जाने पर पर्याप्त जानकारी का अभाव होने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब देने के सख्त निर्देश दिए तथा उनका 1 माह का वेतन भी रोकने के निर्देश दिए। सिंह ने कहा किकार्य को लेकर किसी प्रकार की ढील नहीं बरती जाएगी। सिंह ने सिविल महाप्रबंधक को जो भी सिविल के कार्य बचे हैं उनको पूर्ण करने के लिए सूची तैयार कर कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु आदेशित किया। प्रबंध संचालक द्वारा जनरल कंसलटेंट के रेसिडेंट इंजीनियर गजपाल सिंह सोलंकी को कार्य सम्बन्धी जानकारी से प्रसन्न होकर उन्हें प्रशस्ति पत्र देने के लिए आदेशित किया। मेट्रो प्रोजेक्ट की विशेष समीक्षा बैठक में अजय शर्मा, निदेशक (परियोजना) वाईसी शर्मा, महाप्रबंधक जेनरल कंसलटेंट के अधिकारी एवं मेट्रो निर्माण कॉन्ट्रेक्टर्स के प्रतिनिधि आदि कई अधिकारी उपस्थित रहे।

Hindustan Mail
Bhopal
02.12.2022

सांध्य दैनिक हिन्दुस्तान मेल
आपकी आवाज, हमारी कलम

शहर में मेट्रो पकड़ेगी रफ्तार अब पांच के बजाय छह दिन होगा काम

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट

काम में तेजी लाने अफसरों ने कसी कमर

हिन्दुस्तान मेल। अनिल शुक्ला

इंदौर। मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को रफ्तार देने के लिए अब और तेज गति से काम चलेगा। मेट्रो के दफ्तर में कार्य करने वाले अफसर और कर्मचारियों को सप्ताह में पांच दिन के बजाय छह दिन काम करना होगा, वहीं साइट इंजीनियर को सातों दिन मैदान में रहना होगा। मुख्यमंत्री की मंशानुसार इंदौर-भोपाल में प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अगले साल सितम्बर तक मेट्रो का हर हालत में ट्रॉयल रन होना है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए एक्शन प्लान पर तेजी से काम शुरू कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए एक साल का वक्त भी नहीं बचा है। प्रदेश सरकार हर हालत में चुनाव के पहले इंदौर और भोपाल में मेट्रो मार्ग के कुछ हिस्सों प्रायोरिटी कॉरिडोर पर सितम्बर-2023 तक मेट्रो ट्रेन दौड़ाना चाहती है। सरकार की प्राथमिकता कॉरिडोर पर मेट्रो चलाने की है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की भी यही मंशा है कि सितम्बर तक हर कीमत पर ट्रॉयल रन हो जाए। इसके लिए उन्होंने काम तेजी से करने के निर्देश भी दे रखे हैं और वे समय-समय पर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की समीक्षा भी कर रहे हैं। इसी के चलते उन्होंने मे अपने विश्वासपात्र अफसर मनीष सिंह को मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी की कमान सौंपी है।

भोपाल में बैठक इंदौर चर्चा में

एमडी मनीष सिंह ने कमान थामते ही युद्ध स्तर पर मेट्रो का काम को अंजाम देने की ठान ली है। वे इंदौर-भोपाल में मैदान में आकर न केवल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की रफ्तार को देख रहे हैं, बल्कि परेशानियां जानकर जरूरी दिशानिर्देश भी दे रहे हैं और मौका आने पर तेवर भी दिखा रहे हैं। मैदानी स्तर पर मौका मुआयना करने साथ समीक्षा बैठकें भी ले रहे हैं। इसी के चलते गुरुवार को भी उन्होंने भोपाल में विशेष समीक्षा बैठक ली, जिसमें अजय शर्मा निर्देशक परियोजना, वाय.सी. शर्मा महाप्रबंधक जनरल कंसल्टेंट, मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अफसर और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। हालांकि, समीक्षा बैठक भोपाल मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को लेकर आयोजित की गई थी, लेकिन बैठक में इंदौर के मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर भी खास फोकस बना रहा। एमडी मनीष सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि मेट्रो के इंदौर-भोपाल दफ्तर में अफसर और कर्मचारी को पांच के बजाय छह दिनों तक काम, वहीं साइट इंजीनियर को सातों दिन फील्ड में रहकर काम करना होगा। एमडी यह भी साफ किया कि मेट्रो के काम गुणवत्ता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना होगा।

इंदौर-भोपाल में अगले साल मेट्रो का ट्रायल रन होगा : एमडी मनीष सिंह

मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने हिन्दुस्तान मेल को बताया कि इंदौर और भोपाल में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट पर तेजी से काम जारी है। प्रोजेक्ट को अब और तेजी से बढ़ाया जाएगा। इसके लिए अफसर और निर्माण एजेंसी व कंसल्टेंट को जरूरी निर्देश दिए गए हैं। एमडी मनीष सिंह के अनुसार अगले साल अगस्त-सितम्बर तक भोपाल में 5 किलोमीटर प्रायोरिटी कॉरिडोर और इंदौर में साढ़े छह किलोमीटर कॉरिडोर पर मेट्रो का ट्रायल रन की तैयारी है।

नोटिस तक कर दिया जारी... वेतन भी रुकेगा

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते मनीष सिंह।

एमडी मनीषसिंह ने बैठक में तेवर भी दिखाए और मेट्रो कॉरपोरेशन के एजीएम सिविल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ एक माह का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए। बैठक मे मांगी गई जानकारी ठीक से उपलब्ध नहीं कराए जाने की वजह से एजीएम को नोटिस जारी करने के निर्देश गए हैं। मनीष सिंह ने कार्रवाई कर काम के मामले में आपने इरादे तो जाहिर किए हैं, साथ ही भविष्य के लिए अन्य अफसरों को भी चेता दिया है। ध्यान रहे मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह इंदौर कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा और निगमायुक्त प्रतिभा पाल के साथ इंदौर में निर्माणाधीन मेट्रो प्रोजेक्ट का निरीक्षण कर चुके हैं। गौतलब है इंदौर में पहले चरण में 17 किलोमीटर रूट पर मेट्रो का काम चल रहा है। वर्तमान में सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर खास फोकस बना हुआ है। करीब साढ़े छह किलोमीटर लम्बे कॉरिडोर पर सितम्बर-2023 तक मेट्रो ट्रेन ट्रायल रन का लक्ष्य रखा गया है।

Hari Bhoomi
Bhopal
08.12.2022

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, गुरुवार 8 दिसंबर 2022

सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो शुरू करने के लिए सितंबर 2023 है डेडलाइन

पहले सुभाष नगर डिपो से रानी कमलापति स्टेशन तक चलेगी मेट्रो, उसके बाद एम्स तक बिछेगी पटरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में सुभाष नगर से एम्स तक मेट्रो संचालन के लिए सितंबर 2023 तक की समयसीमा निर्धारित की गई है। इसमें पहले सुभाष नगर डिपो से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो को चलाया जाएगा। इसके बाद एम्स तक पटरी बिछाई जाएगी। मेट्रो कंपनी रानी कमलापति स्टेशन का टारगेट लेकर चल रही है, क्योंकि आरकेएमपी रेलवे क्रॉसिंग पर अभी काम शुरू होना है। कंपनी के अधिकारी कहते हैं कि यहां की अड़चनों को दूर कर काम जल्दी शुरू होगा। मेट्रो कंपनी के अनुसार, प्रायोरिटी कॉरिडोर के 6.2 किमी के रूट में तय समयसीमा में भोपाल मेट्रो के संचालन के लिए दिन-रात काम किया जा रहा है।

▶▶ 216 पिलर तैयार, शेष बचे 10 और पिलर बनेंगे

▶▶ आरकेएमपी रेलवे क्रॉसिंग पर भी होना है काम शुरू

आरकेएमपी व मेट्रो डिपो चौराहे के पास निर्माण अंतिम चरण में

एम्स से सुभाष नगर तक प्रायोरिटी कॉरिडोर में 226 पिलर बनने थे. इनमें से 216 पिलर बनकर तैयार हो गए है, जबकि 10 पिलर का काम चल रहा है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और मेट्रो डिपो चौराहे के पास प्रायोरिटी कॉरिडोर का काम अंतिम चरण में चल रहा है। यहां रोलिंग स्टाक का काम भी शुरु हो गया है।

अधिकतर सिविल वर्क पूरा

सितंबर 2023 तक प्रायोरिटी कॉरिडोर में भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन शुरु कर दिया जाएगा। अधिकतर सिविल वर्क पूरा हो गया है। अब रोलिंग स्टाक से संबंधित काम किया जाना है।

शोभित टंडन, अतिरिक्त निदेशक तकनीकी

अत्याधुनिक सुविधा से युक्त बनाए जा रहे आठ स्टेशन

भोपाल मेट्रो रेल परियोजना के तहत पर्यावरण संरक्षण को देखते हुए स्टेशनों का निर्माण कराया जा रहा है। प्रायोरिटी कॉरिडोर में 450 करोड़ रुपए से एम्स, अलकापुरी, हबीबगंज नाका, रानी कमलापति स्टेशन, एमपी नगर, डीबी माल, केन्द्रीय विद्यालय और सुभाष नगर में आठ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। स्टेशन ग्रीन मेट्रो प्रणाली या ईको फ्रेंडली आधारित स्टेशन बनाए जाएंगे। इनमें सौर उर्जा का अधिक से अधिक इस्तेमाल, 100 पर्सेंट एलईडी लाइटिंग, बिजली की बचत, पानी की बचत, वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट, सोलर हीटर का इस्तेमाल, पूरी तरह इलेक्ट्रिक ट्रेनों का आवागमन, प्लास्टिक फ्री, वेस्ट सेगरिगेशन, दिव्यांग फ्रेंडल सुविधाएं और स्टेशन परिसर में ग्रीन कवर को बढ़ाने व ग्रीनरी को बचाने पर बल दिया जाएगा।

The People's Samachar
Bhopal
09.12.2022

पीपुल्स समाचार
Date 09 Dec, 2022 - Newspaper - page5
Bhopal

मेट्रो परियोजना: सुभाष नगर में मेट्रो डिपो बनाने का काम तेजी से जारी

भोपाल। राजधानी में मेट्रो परियोजना के पहले फेज में एम्स से सुभाष फाटक तक मेट्रो रूट का काम तेजी से चल रहा है। इसके तहत सुभाष नगर के पास मेट्रो डिपो का निर्माण कार्य भी जारी है। एम्स से सुभाष नगर तक 6.22 किमी लंबे रूट पर आठ स्टेशन बनाए जाने हैं। सितंबर 2023 तक इस रूट पर मेट्रो ट्रेन चलाने की तैयारी है।

रूट : एम्स से सुभाष नगर

लंबाई	6.22 किमी
लागत	6000 करोड़
स्टेशन	08
डिपो	01 सुभाष नगर

■ **कब तक पूरा होना है : सितंबर 2023**

पीपुल्स समाचार

07

Times of India
Bhopal
31.12.2022

2023 LOOKING AHEAD WITH HOPE

BIG DREAMS TO COME TRUE IN HEART OF INDIA

The year 2023 promises to be full of hope. Metro is set to be introduced in Indore and Bhopal. Similarly, big events like Global Investors Summit and NRI meet will put the state on global investment map. Besides, political parties have started their preparations with Madhya Pradesh readying for state assembly polls in the year

METRO TO CHUG OUT BY SEPT 2023

Team TOI

First of the metro rail coaches will roll out into Bhopal's metro rail depot in the middle of next year. Or perhaps even before, soon after the first tranche of $250 million of the $400 million loan from European Investment Bank (EIB) for the Bhopal Metro project is released in the first quarter of 2023.

The grinding traffic and dust in the air, once it clears, should provide for little over four kilometres of metro joy in the state capital. The main depot development area at Arera Hills will connect the metro to Habibganj in the direction of AIIMS-Bhopal. The first 4km stretch, scheduled completion date is September 2023. It will have five stations. It could be more if the AIIMS link gets a nod from Indian Railways in time.

For about Rs 7000 crore, Bhopal city will get five stations and a ride of about 4 km that has been in the making for over a decade. Until now, metro rail funding has been through MPMRCL, a joint venture of the Union government and MP government.

By 2027, the city will have two metro lines with 28 stations transit system. Line-2 (Purple Line) from Karond Circle – AIIMS Bhopal and Line-5 (Red Line) which connects Bhadbhada Square – Ratnagiri intersection

By 2027, the city will have two metro lines with 28 stations transit system. Line-2 (Purple Line) from Karond Circle – AIIMS Bhopal and Line-5 (Red Line) which connects Bhadbhada Square – Ratnagiri intersection

Depot construction has picked pace in the last few months. Retaining wall construction will also assist in diversion of water which flows from the hills.

MP SET TO SCORE BIG ON INVESTMENT FRONT

The industry department looks ahead to promising growth prospects in the year 2023, triggered by Investors' summit that will see some big industry honchos pumping in funds, elevating the industrial growth of the state.

The state government will start the New Year with a mega investment drive – Global Investors' Summit eyeing investments across multiple sectors in the state. More than 60 countries, 4,500 industrialists and close to two dozen international industry associations will participate in the summit 2023. Some of the key sectors that are expected to see double digit growth in the next year in the state include textile, logistics, agribusiness, food processing, automobile, engineering, pharmaceuticals, IT/ ITES ESDM and tourism.

The year 2023 is expected to see some fresh guidelines and policies in the niche and emerging sectors like EVs, semiconductor, medical devices, green fuel and energy storage. A lot of emphasis will be given on the start-up and IT ecosystem in the state. A new IT park is on the cards in Indore that is expected to attract investments from technology firms, data centers and outsourcing companies.

Dainik Patrika
Bhopal
31.12.2022

मेट्रो ट्रेन पर प्रमुख सचिव ने ली बैठक

पीएस ने समझी परियोजना, बोले-सितंबर में चलाना है मेट्रो

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का शुक्रवार को प्रमुख सचिव शहर एवं आवास विभाग नीरज मंडलोई ने रिव्यू किया। उन्होंने करीब दो घंटे तक इस प्रोजेक्ट के हर भाग के बारे में जानकारी ली। यहां तक कि शुरुआती डीपीआर और फिर सप्लीमेंट्री डीपीआर कैसे बनी? इस पर भी सवाल किए। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने ट्रेन की सभी लाइनों के साथ प्रायोरिटी कॉरीडोर का प्रजेंटेशन दिया। यहां तकनीकी और वित्तीय सवाल जवाब भी हुए। मंडलोई ने प्रोजेक्ट के लिए कहां से राशि मिल रही है, कितना खर्च हुआ और कितनी जरूरत है? इस पर भी सवाल किए।

सात हजार करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट

रिव्यू के दौरान बताया गया कि प्रोजेक्ट के लिए फिलहाल करीब सात हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था है, इसमें यूरोपियन बैंक का बड़ा हिस्सा है। यहां तय किया गया कि सितंबर 2023 में मेट्रो का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। काम को दोगुनी गति से करने को कहा गया। इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट की गति पर चर्चा हुई। एमडी ने संबंधित इंजीनियरों को निर्देश दिए किए प्रवासी सम्मेलन के दौरान भी मेट्रो ट्रेन का काम रुकना नहीं चाहिए।

09

Dainik Jagran
31.12.2022

सितंबर 2023 में होगा मेट्रो का ट्रायल रन, इसके पहले पूरे हो जाएंगे सभी काम

मेट्रो एमडी ने प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई को दी जानकारी

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरीडोर के लिए भोपाल और इंदौर में तेज रफ्तार से काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने मेट्रो के ट्रायल रन के लिए जो समय सीमा (सितंबर, 2023) तय की है, उसमें सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने शुक्रवार को नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई को यह जानकारी दी। प्रमुख सचिव दोनों शहर में मेट्रो प्रोजेक्ट की मौजूदा स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने परियोजना के क्रियान्वयन, डिजाइनिंग, सिविल वर्क, सिस्टम, वित्त आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रायोरिटी कॉरीडोर की प्रगति की जानकारी ली। बताया जा रहा है प्रमुख सचिव अब मेट्रो साइट पर जाकर वस्तुस्थिति और दिक्कतों का जायजा ले सकते हैं।

इन्वेस्टर समिट के दौरान भी चलेगा निर्माण: एमडी मनीष सिंह ने बताया कि इंदौर में जनवरी में होने वाले प्रवासी भारतीय सम्मेलन व ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान भी मेट्रो के निर्माण कार्य चलते रहेंगे। मेट्रो निर्माण स्थल के आसपास लोगों और ट्रैफिक की आवाजाही में कोई दिक्कत न हो, इसके लिए पूरी व्यवस्था की गई है। बैठक में मेट्रो कॉर्पोरेशन के निदेशक परियोजना अजय शर्मा, निदेशक सिस्टम शोभित टंडन, डायरेक्टर फायनेंस नीति कोठारी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

Navbharat Bhopal
31.12.2022

तय समय में पूर्ण होंगे मेट्रो ट्रायल रन के काम

इंदौर, 30 दिसंबर. शुक्रवार को प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग नीरज मंडलोई और प्रबंध संचालक मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन मनीष सिंह ने मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की समीक्षा की.

प्रमुख सचिव ने की मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की समीक्षा

प्रबंध संचालक एवं मेट्रो अधिकारियों ने विस्तार से भोपाल एवं इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट के बारे मे अवगत करवाया. श्री मंडलोई ने प्रोजेक्ट से संबंधित हर एक पहलू पर मेट्रो अधिकारियों से पूरी परियोजनाकेक्रियान्वयन, डिज़ाइनिंग, सिविलवर्क, सिस्टम, वित्त आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की. प्रमुख सचिव द्वारा प्रायोरिटी कॉरिडोर की प्रगति और निर्माण कार्य की स्थिति के बारे मे भी जानकारी प्राप्त की गई. प्रबंध संचालक नेआश्वस्त किया की प्रायोरिटी कॉरिडोरके तहत भोपाल व इंदौर मे कार्य दरूत गति से चल रहे हैं. मुख्यमंत्री द्वारा मेट्रो ट्रायल रन की जो समय सीमा तय की गई है उसमे सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे. प्रबंध संचालक ने इस बात से भी अवगत करवाया कि जनवरी माह में इंदौर में होने वाले प्रवासी भारतीय सम्मेलन एवं ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान भी मेट्रो के निर्माण कार्य चलते रहेंगे. मेट्रो निर्माण स्थल के आसपास आमजन ओर यातायात में किसी प्रकार की कोई दुविधा न हो इसके लिए भी पूरी व्यवस्था की गई है. प्रमुख सचिव ने समीक्षा बैठक में हर एक पहलू पर विस्तृत चर्चा की एवं कार्यों की प्रगति को लेकर संतुष्टि जाहिर की एवं मार्गदर्शन किया. इस मौके पर उनके साथ एमपीएमआरसीएल से अजय शर्मा निदेशक (परियोजना), शोभित टंडन निदेशक सिस्टम, नीति कोठारी निदेशक वित्त व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे.

राज एक्सप्रेस

Bhopal

31.12.2022

प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन ने की मेट्रो प्रोजेक्ट की समीक्षा

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी में शुक्रवार को नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग एवं प्रबंध संचालक, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की समीक्षा की प्रबंध संचालक एवं मेट्रो अधिकारियों ने विस्तार से भोपाल एवं इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट के बारे मे अवगत करवाया। श्री मंडलोई ने प्रोजेक्ट से संबंधित हर एक पहलू पर मेट्रो अधिकारियों से पूरी परियोजना के क्रियान्वयन, डिज़ाइनिंग, सिविलवर्क, सिस्टम, वित्त आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

प्रमुख सचिव ने समीक्षा बैठक में हर एक पहलू पर विस्तृत चर्चा की एवं कार्यों की प्रगति को लेकर संतुष्टि जाहिर की एवं मार्गदर्शन किया। इस मौके पर उनके साथ,अजय शर्मा, निदेशक, परियोजना, शोभित टंडन, निदेशक, सिस्टम, श्रीमती नीति कोठारी, निदेशक, वित्त व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

People's Samachar

Bhopal

31.12.2022

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

भोपाल सिटी Page: 3 December 31, 2022

सीएम द्वारा तय समयसीमा में करें मेट्रो के ट्रायल रन की तैयारी

पीएस ने की मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्यों की समीक्षा

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9300697983

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने शुक्रवार को मप्र मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा तय की गई समयसीमा में मेट्रो के ट्रायल रन की तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

मप्र मेट्रो के प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने भोपाल और इंदौर मेट्रो के कार्यों की प्रगति के बारे में बताया। पीएस ने प्रोजेक्ट से संबंधित हर पहलू पर मेट्रो अधिकारियों से पूरी परियोजना के क्रियान्वयन, डिजाइनिंग, सिविल वर्क,

सिस्टम, वित्त आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रॉयोरिटी कॉरिडोर में निर्माण कार्य की स्थिति के बारे मे भी जानकारी ली। सिंह ने आश्वस्त किया कि प्रॉयोरिटी कारिडोर के तहत भोपाल और इंदौर में कार्य तेजी से चल रहे हैं और मुख्यमंत्री द्वारा मेट्रो ट्रायल रन की जो समय सीमा तय की गई है, उसमें सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे।

13

Hari Bhoomi

Bhopal

31.12.2022

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक में दिया आश्वासन

समयसीमा में पूरे कर लिए जाएंगे मेट्रो ट्रायल रन के सभी कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री द्वारा मेट्रो ट्रायल रन की जो समय सीमा तय की गई है, उसमें सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे। यह बात शुक्रवार को मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मेट्रो रेल प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान प्रबंध संचालक मनीष सिंह ने कही। समीक्षा बैठक में नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं मनीष सिंह प्रबंध संचालक मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड मौजूद थे।

काम की गति के बारे में जानकारी ली

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने बैठक के दौरान अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए चले हुए काम की गति के बारे में भी जानकारी ली। अधिकारियों ने भोपाल एवं इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट के बारे में अवगत करवाया। मंडलोई ने प्रोजेक्ट से संबंधित हर एक पहलू पर मेट्रो अधिकारियों से पूरी परियोजना के क्रियान्वयन, डिजाइनिंग, सिविल वर्क, सिस्टम, वित्त आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा कर प्रमुख सचिव द्वारा प्रायोरिटी कॉरिडोर की प्रगति और निर्माण कार्य की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई।

मेट्रो के निर्माण कार्य चलते रहेंगे

प्रबंध संचालक ने अवगत किया कि प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत भोपाल व इंदौर में कार्य द्रुत गति से चल रहे हैं, पर मुख्यमंत्री द्वारा मेट्रो ट्रायल रन की जो समय सीमा तय की गई है, उसमें सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे। कंपनी के प्रबंध संचालक ने इस बात से भी अवगत करवाया कि जनवरी माह में इंदौर में होने वाले प्रवासी भारतीय सम्मेलन एवं ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान भी मेट्रो के निर्माण कार्य चलते रहेंगे। प्रमुख सचिव ने समीक्षा बैठक में हर एक पहलू पर विस्तृत चर्चा की एवं कार्यों की प्रगति को लेकर संतुष्टि जाहिर करते हुए मार्गदर्शन किया। इस मौके पर उनके साथ इओडब्ल्यू से अजय शर्मा, निदेशक परियोजना सोमित टंडन, निदेशक सिस्टम, नीति कोठारी, निदेशक वित्त व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

Nav Dunia Bhopal

31.12.2022

तय समयसीमा में मेट्रो के ट्रायल रन की तैयारी

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने शुक्रवार को मप्र मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा तय की गई समयसीमा में मेट्रो के ट्रायल रन की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान मप्र मेट्रो के प्रबंध संचालक मनीष सिंह भी मौजूद रहे। मनीष सिंह ने सबसे पहले भोपाल व इंदौर मेट्रो के कार्यों की प्रगति के बारे में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पीएस को बताया। वहीं, नीरज मंडलोई ने प्रोजेक्ट से संबंधित हर एक पहलू पर मेट्रो अधिकारियों से पूरी परियोजना के क्रियान्वयन, डिजाइनिंग, सिविल वर्क, सिस्टम, वित्त आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की। -नप्र